

---

# Agastyakritam 02 Shiva Stotram

---

## अगस्त्यकृतं २ शिवस्तोत्रम्

---

### Document Information

Text title : Agastyakritam 02 Shiva Stotram

File name : agastyakRRitaM02shivastotram.itx

Category : shiva, tAmraparNImAhAtmya, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : tAmraparNImAhAtmya | adhyAya 17/82-92||

Latest update : December 13, 2025

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

December 13, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

अगस्त्यकृतं २ शिवस्तोत्रम्



अगस्त्य उवाच ।  
ॐ नमस्सर्वभूतानां सृष्टिस्थित्यन्तकारिणे ।  
सर्वकारणरूपाय तरुकोटरवासिने ॥ ८२ ॥  
हरिनेत्रार्पितं देवं हालाहलविषादकम् ।  
आश्रिताभ्युदयं नित्यं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८३ ॥  
सुगन्धं सुन्दरं शुभ्रं सोमाकलितमौलिकम् ।  
परानन्दरसाभिख्यं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८४ ॥  
गङ्गाधरं शशिधरं गौर्यां वामार्धविग्रहम् ।  
वासुदेवप्रियं शान्तं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८५ ॥  
कालकालं (शूल)कलाधरं भवं भक्तभयापहम् ।  
पार्वतीसहितं भव्यं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८६ ॥  
मोक्षस्थानं मुमुक्षुणां भोगस्थानं तु भोगिनम् ।  
उमादेहार्धशम्भुं तं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८७ ॥  
रवीन्दुवह्निनयनं रामारमणवन्दितम् ।  
कर्पूरगौरं पुरुषं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८८ ॥  
प्रमाणं प्रणवार्थानां कान्तं कान्तार्धविग्रहम् ।  
रविकोटीप्रतीकाशं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ८९ ॥  
शङ्खकुन्देन्दुसङ्काशं कर्पूरोदारविग्रहम् ।  
कन्दलत्करुणामूर्तं पुटार्जुनमुपास्महे ॥ ९० ॥  
नमश्शिवायामलविग्रहाय नताभिलाषैकसुरद्रुमाय ।  
नवेन्द्रवृषोदरवाहनाय नमो नमश्चन्द्रविभूषणाय ॥ ९१ ॥  
इति स्तुत्वा महादेवं भक्तिप्रणतया गिरा ।

पपात पादयोः शम्भोर्दण्डवत् कुम्भसम्भवः ॥ ९२ ॥

तावल्लिङ्गात् समुत्तस्थौ अर्धनारीश्वरश्शिवः ।

इति ताम्रपर्णीमाहात्म्ये सप्तदशाध्यायान्तर्गतं

अगस्त्यकृतं शिवस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

ताम्रपर्णीमाहात्म्य । अध्याय १७/८२-९२ ॥

tAmraparNImAhAtmya . adhyAya 17/82-92..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*Agastyakritam 02 Shiva Stotram*

pdf was typeset on December 13, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

